पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

(CLASS-7TH HINDI ASSIGNMENT)

(पठन भाग)

प्र-1-अ-अपठित गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

कार्य का महत्त्व और उसकी सुंदरता उसके समय पर संपादित किए जाने पर ही है। अत्यंत सुघड़ता से किया हुआ कार्य भी यदि आवश्यकता के पूर्व न पूरा हो सके तो उसका किया जाना निष्फले ही होगा। चिड़ियों द्वारा खेत चुग लिए जाने पर यदि रखवाला उसकी सुरक्षा की व्यवस्था करे तो सर्वत्र उपहास का पात्र ही बनेगा। उसके देर से किए गए उद्यम का कोई मूल्य नहीं होगा। श्रम का गौरव तभी है जब उसका लाभ किसी को मिल सके। इसी कारण यदि बादलों द्वारा बरसाया गया जल कृषक की फ़सल को फलने फूलने में मदद नहीं कर सकता तो उसका बरसना व्यर्थ ही है। अवसर-का सदुपयोग न करने वाले व्यक्ति को इसी कारण पश्चाताप करना पड़ता है।

क) जीवन में समय का महत्त्व क्यों है?

ख) **खेत का रखवाला उपहास का पात्र क्यों बनता है?**

ग) **बादल का बरसना व्यर्थ कब है?**

घ) **गद्यांश का मुख्य भाव क्या है?**

ब-मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्त्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरु है, वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुधि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानवसभ्यता का विशाल महल खड़ा क-िया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवी बुधि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किंतु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचारशक्ति-, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

क) मानव जाति को महत्त्व देने में किसका योगदान है?

ख) **विचारों की पूँजी में क्या शामिल नहीं है?**

ग) **मानव में पाशविक प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं?**

घ) **"मनुष्य के पास बुधि है, विवेक है, तर्कशक्ति हैउपर्युक्त वाक्य 'में विशेषण चुनिए है|**

ङ) **गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए|**

क-संसार में सबसे मूल्यावान वस्तु समय है क्योंकि दुनिया की अधिकांश वस्तुओं को घटायाबढ़ाया जा सकता है-, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर व्यक्ति के पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्त्व है। विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेलकूद-, मौजमस्ती - तथा आलस्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गए हैं, उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने हैं, उसका सदुपयोग करें।

क) समय को सबसे अमूल्य वस्तु क्यों कहा गया है?

ख) विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य क्या है?

ग) विद्यार्थी जीवन भर क्यों पछताते रहते हैं ?

घ) संमय के संबंध में व्यक्ति का क्या कर्तव्य बताया गया है?

ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाइए|

प्र-2-अ-अपठित गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

हे मजूर, जो जेठ मास के इस निधूम अनल में
कर्ममग्न है अविकल दग्ध हुआ पलपल में-;
यह मजूर, जिसके अंगों पर लिपटी एक लैंगोटी;
यह मजूर, जर्जर कुटिया में जिसकी वसुधा छोटी;
किस तप में तल्लीन यहाँ है भूखप्यास को जीते-,
किस कठोर साधन में इसके युग के युग हैं बीते।
कितने महा महाधिप आए, हुए विलीन क्षितिज में,
नहीं दृष्टि तक डाली इसने, निर्विकार यह निज में।
यह अविकंप न जाने कितने घूंट पिए हैं विष के,
आज इसे देखा जब मैंने बात नहीं की इससे।
अब ऐसा लगता है, इसके तप से विश्व विकल है,
नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय।

1-जेठ के महीने में अपने काम में लगा हुआ मजदूर क्या अनुभव कर रहा है?

1-जेठ के महीने में अपने काम में लगा हुआ मजदूर अपने काम में मग्न है। गरम मौसम भी उसके कार्य को बाधित नहीं कर रहा है।

2-उसकी दीनहीन दशा को कवि ने किस तरह प्रस्तुत किया है-?

2- कवि बताता है कि मजदूर की दशा खराब है। वह सिर्फ एक लैंगोटी पहने हुए है। उसकी कुटिया टूटी फूटी है। वह पेट भरने भर भी नहीं कमा पाता है।

3-उसका पूरा जीवन कैसे बीता है? उसने बडेबड़े लोगों को भी अपना कष्ट क्यों नहीं बताया-से-?

3-मजदूर का पूरा जीवन तंगहाली में बीतता है। उसने बड़ेसे बड़े लोगों को भी अपना कष्ट नहीं बताया-, क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन रहता था।

4-आशय स्पष्ट कीजिए' :नया इंद्रपद इसके हित ही निश्चित है निस्संशय। '

4- इसका अर्थ है कि मजदूर के कठोर तप से यह लगता है कि उसे नया इंद्रपद मिलेगा अर्थात् कवि को लगता है कि अब उसकी हालत में सुधार होगा।

ब- ओ नए साल, कर कुछ कमाल, जाने वाले को जाने दे.
दिल से अभिनंदन करते हैं, कुछ नई उमंगें आने दे।
आने जाने से क्या डरना, ये मौसम आतेजाते हैं-,
तन झुलसे शिखर दुपहरी में कभी बादल भी छा जाते हैं।
इक वह मौसम भी आता है, जब पत्ते भी गिर जाते हैं,
हर मौसम को मनमीत बना, नवगीत खुशी के गाने दे।
जो भूल हुई जा भूल उसे, अब आगे भूल सुधार तो कर,
बदले में प्यार मिलेगा भी, पहले औरों से प्यार तो कर,
फूटेंगे प्यार के अंकुर भी, वह जमीं ज़रा तैयार तो कर,
भले जीत का जश्न मना, पर हार को भी स्वीकार तो कर,
मत नफरत के शोले भड़का, बस गीत प्यार के गाने दे।

1.काव्यांश का शीर्षक लिखिए।
1-काव्यांश का शीर्षक हैनए साल का अभिनंदन।-

2.'वह ज़मीं ज़रा तैयार तो कर' पंक्ति में निहित अलंकार का नाम बताइए।
2-'वह ज़मीं ज़रा तैयार तो कर' पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है।

3.कवि नए साल से क्या अपेक्षा रखता है?
3-कवि नए साल से यह अपेक्षा रखता है कि वह कुछ विशेष करे और सबके लिए नई उमंगें लाए।

4.'आने-जाने से क्या डरना' के माध्यम से कवि किसके आने-जाने की बात कहता है? इसके लिए प्रकृति से किन-किन उदाहरणों का सहरा लेता है ?
4-आने-जाने के माध्यम से कवि ने सुख और दुख के आने-जाने की बात कही है। इसके लिए उसने मौसमों के बदलते रहने, दोपहरी में बादल छाने, पतझड़ के आने-जाने के उदाहरणों का सहारा लिया है।

5.कवि ने कविता में मनुष्य के लिए जो सीख दी है, उसे स्पष्ट कीजिए।
5-कविता के माध्यम से कवि ने मनुष्य को सीख दी है कि
(क) पीछे हो चुकी भूलों का सुधार करें।
(ख) दूसरों से प्यार पाने के लिए उनसे प्यार करें।
(ग) दुख और सुख को समान रूप से अपनाना सीखें।
(घ) घृणा फैलाना बंद करके प्रेम के गीत गाएँ।

(लेखन भाग)

1)समय का सदुपयोग :-

'समय' निरंतर बीतता रहता है, कभी किसी के लिए नहीं ठहरता। जो व्यक्ति समय के मोल को पहचानता है, वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है। समय बीत जाने पर किए गए कार्य का कोई फल प्राप्त नहीं होता और पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ हाथ नहीं आता। जो विद्यार्थी सुबह समय पर उठता है, अपने दैनिक कार्य समय पर करता है तथा समय पर सोता है, वही आगे चलकर सफल व उन्नत व्यक्ति बन पाता है। जो व्यक्ति आलस में आकर समय गँवा देता है, उसका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। संतकवि कबीरदास जी ने भी अपने दोहे में कहा है -

"काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होइगी, बहुरि करेगा कब।।"

समय का एक-एक पल बहुत मूल्यवान है और बीता हुआ पल वापस लौटकर नहीं आता। इसलिए समय का महत्व पहचानकर प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करनी चाहिए। जो समय बीत गया उस पर वर्तमान समय में सोच कर और अधिक समय बरबाद न करके आगे अपने कार्य पर विचार कर-लेना ही बुद्धिमानी है।

2-कम्प्यूटर एक जादुई पिटारा

आज का युग विज्ञान का युग है। वर्तमान समय में विज्ञान ने हमें कम्प्यूटर के रूप में एक अनमोल उपहार दिया है। आज जीवन के हर क्षेत्र में कम्प्यूटर का उपयोग हो रहा है। जो काम मनुष्य द्वारा पहले बड़ी कठिनाई के साथ किया जाता था, आज वही काम कम्प्यूटर द्वारा बड़े ही आराम से किये जा रहे हैं। कंप्यूटर का उपयोग दिनो-दिन बढ़ता जा रहा है। कम्प्यूटर ने दुनिया को बहुत छोटा कर दिया है। इंटरनेट द्वारा गूगल, याहू एवं बिंग आदि वेबसाइट पर दुनियाभर की जानकारी घर बैठे ही प्राप्त की जा सकती है। इंटरनेट पर ई-मेल के द्वारा विश्व में किसी भी जगह बैठे व्यक्ति से संपर्क किया जा सकता है। इसके लिए केवल ई-

मेल अकाउंट और पासवर्ड का होना आवश्यक होता है। कम्प्यूटर मनोरंजन का भी महत्वपूर्ण साधन है। इस पर अनेक खेल भी खेले जा सकते हैं। कुल मिलकर कहें तो कम्प्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कम्प्यूटर सचमुच एक जादुई पिटारा है।

3-हमारी नदियाँ:-

भारत में नदियों को पवित्र माना जाता है। गंगा, यमुना, गंडक और कोशी समेत सभी नदियाँ पवित्र होने के साथ ही बहुत मददगार भी हैं क्योंकि देशभर में यह कृषि और दुसरे कार्यों के लिए जल प्रदान करती हैं। भारतवासी नदियों को मंदिर मानते हैं और इसे माँ कहके भी पुकारते हैं।

भारतीय नदियों से प्रेरणा लेकर कई ने कवियों, संतों और दार्शनिकों ने कार्य किये है। इलाहाबाद में त्रिवेणी संगम एक प्यारा स्थान है लेकिन, इससे भी अधिक, यह एक पवित्र स्थान है। कोई आश्चर्य नहीं, पुराने और संतों के विचारक इन नदियों के किनारे रहते और मर जाते थे।

एक माँ, जिसे हम जानते हैं, उसे अपने बच्चों के लिए दुःख भुगतना पड़ता है। हमारी नदियों का भी यही हाल है। हमारी सभी बड़ी नदियाँ किसी न किसी पहाड़ी या पहाड़ पर पैदा होती हैं। उन्हें बर्फ या बारिश या दोनों से पानी मिलता है। तो, सिंधु, गंगा, कोसी, नर्मदा और कावेरी पूरे साल बहती हैं। अन्य नदियाँ केवल बारिश के दौरान पैदा होती हैं। इसलिए, वे गर्मियों में सूख जाती हैं।इस तरह, हमारी नदियाँ साधारण पानी - बर्फ का पानी और बारिश के पानी से बनती हैं। लेकिन जो पानी वे हमें देते हैं वह जीवन का पानी है:

वे हमारे खेतों और जंगलों को स्वास्थ्य देती हैं। वह हमारी मिट्टी का भोजन है। भूमि का एक बंजर टुकड़ा एक सुंदर बगीचे में बदल जाता है यदि वहां पानी की भरपूर मात्रा उपलब्ध होती है।

वे न केवल हमारी भूमि और पौधों को, बल्कि हमारी मिलों और कारखानों की भी मदद करती हैं। नदी के पानी को बिजली नामक एक नई शक्ति में बदल दिया जाता है, और इस प्रकार, हमारे व्यापार और उद्योग में मदद मिलती है।बड़ी संख्या में भारतीय शहर जैसे नई दिल्ली, कोलकाता, इलाहाबाद, आगरा आदि नदियों के किनारे स्थित हैं।
भारतीय नदियाँ कितनी महान हैंलेकिन वे इसे बिल्कुल भी बुरा नहीं मानते। !उनका सफर कितना कठिन है !

(निबंध)

1-श्रीकृष्ण **जन्माष्टमी**

प्रस्तावना- जब संसार में पाप, अत्याचार, द्वेष और घृणा बढ़ जाते हैं, धर्म का नाश होने लगता है, सज्जन और दीन दुखियों को सताया जाने लगता है, तब इस संसार की महान शक्ति अवतार लेती है और धर्म की स्थापना करती है। कृष्ण ने भी इस धरती पर तभी अवतार लिया था जब कंस के अत्याचार बहुत बढ़ गए थे और दीन

दुखियों को सताया जाने लगा था। श्रीकृष्ण का जन्म- श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद में कृष्ण अष्टमी को रात के बारह बजे हुआ था। इनके पिता का नाम वासुदेव और माता का नाम देवकी था।

पौराणिक कथा- देवकी कंस की बहन थी। कंस मथुरा का राजा था। वह बहुत अत्याचारी था। जब वह अपनी बहन देवकी को विवाह के बाद उसकी ससुराल रथ पर लेकर जा रहा था तब आकाशवाणी हुई। जिस बहन को तुम इतने प्यार से विदा कर रहे थे, उसकी आठवीं संतान तुम्हारी मृत्यु का कारण बनेगी। यह भविष्यवाणी सुनकर कंस घबरा गया। उसने अपनी बहन को कारावास में बन्द कर दिया। देवकी के सात पुत्र हुए, किन्तु कंस ने उनके पुत्रों को पटक पटक कर मार डाला। आठवें पुत्र का जब जन्म हुआ तब जेल के पहरेदार सब सोए हुए थे। वसुदेव अपने बच्चे को लेकर गोकुल में नंद के घर छोड़ आए और उसकी लड़की को लेकर लौट आए। प्रातः काल होने पर वसुदेव ने इस कन्या को कंस को सौंप दिया। कंस ने जैसे ही उसे पत्थर पर पटका, वह उड़कर आकाश में चली गई। उड़ते उड़ते उसने कहा कि तेरा मारने वाला अभी जीवित है। वह गोकुल पहुँच गया है।कंस की घबराहट- यह आकाशवाणी सनुकर कंस घबरा गया। उसने कृष्ण को मारने के लिए कई षड्यन्त्र रचे। पूतना, वकासुर आदि अनेक राक्षसों को कृष्ण को मारने के लिए भेजा पर कोई भी श्रीकृष्ण को मार नहीं पाया। श्रीकृष्ण ने सभी की हत्या कर दी।

श्रीकृष्ण की बाल लीला- श्रीकृष्ण ने गोकुल में रहकर अनेक बाल लीलाएँ कीं। वे मित्रों के साथ गोएँ चराने जाते थे। गोकुल के सभी नर नारी उससे प्यार करते थे। वह भी सब की सहायता करने को तैयार रहते थे। गेंद का खेल उन्हें बहुत प्रिय था। उन्होंने कालिम नामक राक्षस को मारकर लोगों को भय मुक्त किया। इन्दु के घमंड को चूर किया। बड़ी बड़ी विपत्तियों से ब्रज को बचाया।

जन्माष्टमी मनाने का ढंग- जन्माष्टमी के त्योहार को मनाने का ढंग सरल और रोचक है। इस त्योहार को मनाने के लिए सभी श्रद्धालु भक्त सवेरे सवेरे अपने घरों की सफाई करके उसे सजाते हैं। कई लोग इस दिन वत भी रखते हैं। वे श्रीकृष्ण की लीला का गान करते हैं और श्रीकृष्ण कीर्तन करते हैं। रात्रि के बारह बजे श्रीकृष्ण का जन्म मनाया जाता है। तभी पूजा तथा आरती कर भक्त जन अपना व्रत तोड़ते हैं।

मन्दिरों के दृश्य- सभी मन्दिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूम धाम से मनाई जाती है। श्रीकृष्ण अपने मित्रों के साथ कैसे गौएँ चराने जाते थे। गोपियाँ उन्हें कितना प्यार करती थीं। उनकी बाँसुरी की धुन को सुनने के लिए वे सारा काम काज छोड़कर भाग खड़ी होती थीं। इस प्रकार की क्रियाओं की झाँकियाँ इस दिन प्राय सभी मन्दिरों में दिखाई जाती हैं। मथुरा वृन्दावन तथा ब्रज के अन्य नगरों और गाँवों में यह त्योहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है।

उपसंहार- श्रीकृष्ण **जन्माष्टमी** के पर्व से हमें यह संदेह मिलता है कि पाप का नाश अवश्यमेव होता है। जब जब संसार में कष्ट बढ़ते हैं, पाप, अनाचार और भ्रष्टाचार बढ़ता है उसे समाप्त करने के लिए कोई न कोई महान शक्ति भी अवश्य जन्म लेती है। इसलिए मनुष्य को सदा सत्कर्म में लगे रहना चाहिए।

2-हमारे पेड़-पौधे :-

पेड़ प्रकृति की वो देन है जिसका कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। पेड़ हमारा सबसे घनिष्ठ मित्र है। हमारे द्वारा लगाया गया पेड़ सिर्फ हमें ही लाभ नहीं पहुँचाता बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों को लाभ पहुँचाता है।हवा, पानी, खाने-पीने की सामग्री, ईंधन, वस्त्र, जानवरों का चारा अन्य कार्यों में प्रयोग करने के लिए लकड़ी सब हमें पेड़ों से ही मिलता है। पेड़ पर्यावरण से कार्बन डाईऑक्साईड लेकर बदले में ऑक्सीजन देते हैं।पेड़ों पर कई जीव-जन्तु अपना घर बनाते हैं। यदि पेड़ न हों तो हम इन सब चीजों की कल्पना तक नहीं कर सकते।लेकिन क्या मनुष्य इस प्राकृतिक संसाधन से अपना लाभ लेना ही जानता है या वह इसके संरक्षण और संवर्द्धन की और भी जागरुक है? वर्तमान की स्थिति देखकर ऐसा लगता है कि हम पेड़ों को बचाना तो चाहते हैं पर शायद उतना प्रयास नहीं कर पा रहे हैं जितना आवश्यक है।

ऐसी परिस्थिति धीरे-धीरे प्रकृति का संतुलन बिगड़ता जायेगा और हम प्रकृति की इस अमूल्य सम्पदा को धीरे-धीरे अन्य प्रजातियों को लुप्त कर देंगे। इस प्रकार इस धरती पर न जीवन होगा न जीव। अतः हमें चाहिये कि हमारे आसपास हमें जितनी भी खाली भूमि दिखाई दे हम वहाँ पौधारोपण करें और कुछ न अपने घर में गमलों में ही इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित करें। यदि यह छोटा सा कदम हर व्यक्ति उठायेगा तो यह धरती और धरती पर जीवन सब खुशहाल रहेगा।

3-**विज्ञान के चमात्कार-**

विज्ञान हर नए अनुसंधान के साथ मानव जीवन को अधिक सरल बनाता चला जा रहा है। आज विज्ञान के बढ़ते चहुंओर विकास के कारण मानव दुनिया के हर क्षेत्र में अग्रसर दिखाई दे रहा है। मानव ने विज्ञान की सहायता से पृथ्वी पर उपलब्ध हर चीज को अपने काबू में कर लिया है। विज्ञान की सहायता से हम ऊंचे आसमान में उड़ सकते हैं व गहरे पानी में सांस ले सकते हैं। विज्ञान के बढ़ते हुए विकास के कारण ही हम चंद्रमा से लेकर मंगल ग्रह में पहुंच पाए हैं। हाल ही में भारत के मंगलयान का सफलता पूर्वक मंगल की कक्षा में पहुंचना मानव की विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ रही प्रगति का उदाहरण है। पुरातन काल में जो चीजें असंभव सी प्रतीत होती थी। विज्ञान के बढ़ते उपयोग के कारण अब वह साधारण सी महसूस होती हैं।

चिकित्सा के क्षेत्र में : विज्ञान के नए नए शोधों के चलते मानव हर दिन एक नई मुसीबत से छुटकारा पा लेता है। 20 साल पहले मलेरिया जहां जानलेवा बीमारी मानी जाया करती अब विज्ञान की प्रगति के साथ मलेरिया एक आम बीमार बनकर रह गई हैं। विज्ञान ने चिकित्सा व्यवस्था में बहुत प्रगति कर ली है। पिछले सालों से लाइलाज बीमारी मानी जा रही एड्स पर भी वैज्ञानिकों ने धीरे-धीरे पकड़ बनाना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि नई चिकित्सा पद्यति के चलते अब एड्स की पकड़ कमजोर पड़ने लगी है। और माना जा रहा है कि निकट भविष्य में इस जानलेवा बीमारी का जड़ से खात्मा हो जाएगा।

यातायात के क्षेत्र में : आज विज्ञान यातायात के क्षेत्र में दिन दूना और रात चौगुना तरक्की कर रहा है। कहां पहले एक जगह से दूसरे जगह जाने के लिए दिनों लग जाते थे। अब हवाई जहाज और तेज रफ्तार की ट्रेनों

के दौर में पलक झपकते एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा जा सकता है। जहां पहले आम लोगों के लिए ज्यादा किराया होने हवाई यात्रा करना मात्र एक सपना हुआ करता था। आज बदलते दौर के साथ आम लोग भी हवाई यात्रा का किराया वहन कर पाते हैं और हवाई यात्रा का आनंद उठा पाते हैं। पिछले दस सालों में भारत के लगभग हर घर में कार पहुंच गई है जो विज्ञान की प्रगति को सीधे तौर पर बयां करती है।

संचार के क्षेत्र में : ऑनलाइन न्यूजपेपर, ऑनलाइन न्यूजसाइट पर एक क्लिक पर खबरों का संसार मौजूद है। वैश्वीकरण के इस दौर में दुनिया के चप्पे-चप्पे की खबर हम अपने मोबाइल की एक बटन दबाते ही जान लेते हैं। फेसबुक, ट्विटर, वाट्सऐप के सहारे चाहे हम अपने सगे संबंधियों से कितने ही दूर क्यों न हों। पर इन सबके माध्यम से अब हम उनसे 24 घंटे जुड़े रह सकते हैं।

उपसंहार : इस प्रकार विज्ञान के नित नए अविष्कार हमारे जीवन में रोज चमत्कार उत्पन्न कर रहे हैं। हर दिन एक नई खोज, नए उत्पाद से हमारा परिचय होता है जो हमारे जीवन की जटिलता को सरल बना रहे हैं।

(पत्र-लेखन)

औपचारिक पत्र,:-

1-दीदी या बहन की शादी पर अवकाश के लिए आवेदन पत्र या प्रार्थना पत्र

सेवा में,

प्रधानाचार्य मोहदय,

1हिन्दी स्कूल

भुवनेश्वर (ओडिशा)

दिनांक - 15/09/20**

विषय - बहन की शादी के लिए अवकाश प्रदान हेतु प्रार्थना पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय के कक्षा 7 का विद्यार्थी हूँ। मेरे घर में मेरे बहन की शादी है जिसकी दिनांक 10/09/20** है , जिसका सारा कार्य भार मुझे ही संभालना है क्योंकि मै अपने पिता का इकलौता पुत्र हु और मेरे पिता जी की तबियत खराब है इसी कारण मुझे 10/09/20**से 11/09/20** तक का अवकाश चाहिए।

अतः मुझे अवकाश प्रदान करने की कृपा करें , इसके लिए मैं आपका आभारी रहुंगा।

सधन्यवाद,

अ.ब.क.

2- प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए जिसमें पुस्तकालय में कुछ और हिंदी पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए निवेदन किया गया हो।

सेवा में
प्रधानाचार्य
……. विद्यालय
……. नई दिल्ली ।
विषय - पुस्तकालय में हिंदी पत्रिकाएँ मँगवाने हेतु।।
महाशय
निवेदन है कि हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में ज्ञान-विज्ञान व खेल संबंधी हिंदी की पत्रिकाओं का अभाव है। यहाँ पर अंग्रेज़ी की अनेक पत्रिकाएँ आती हैं लेकिन कई बच्चे अंग्रेज़ी नहीं समझते। अतः आप से अनुरोध है कि पुस्तकालय में क्रिकेट सम्राट, प्रतियोगिता दर्पण, विज्ञान प्रगति, नंदन आदि हिंदी की पत्रिकाएँ नियमित रूप से मँगवाई जाएँ, ताकि अधिक से अधिक छात्र ज्ञान छात्र ज्ञान ग्रहण कर सकें। आशा है आप मेरी माँग पूरी करेंगे।
धन्यवाद
भवदीय
क ख ग
दिनांक .....

3--टीसी निकलवाने के लिए पत्र :

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
राजकीय सह शिक्षा उच्च माध्यमिक विद्यालय,
उत्तम नगर, नई दिल्ली - 110057,
विषय :- टीसी निकलवाने की प्रार्थना
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय का ही छात्र हूँ। मैं आपके विद्यालय की कक्षा 9 के बी वर्ग में पढ़ता हूं। बीते दिनों मेरे पिताजी का ट्रान्सफर उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में हो गया, जिस कारण हमें सपरिवार वहां पलायित होना पड़ रहा है। श्रीमान मुझे आगे की पढ़ाई अब वहीं से करनी होगी क्यूंकि मैं यहां पर अकेले नहीं रह सकता। श्रीमान आप जानते है कि वहां पर दाखिला लेने के लिए मेरे पास टीसी (ट्रान्सफर

सर्टिफिकेट) का होना अनिवार्य है। बिना टीसी के मुझे किसी भी स्कूल में दाखिला नहीं मिलेगा। कृपया मुझे टीसी देने की कृपा करें। मैं आपका आजीवन आभारी रहूँगा। बहुत बहुत धन्यवाद।
आपका आदरणीय छात्र

4 -"स्ट्रीट लाइट की समस्या" विषय पर संपादक को एक पत्र लिखें.

सेवा में
संपादक महोदय
श स ह दैनिक
नई दिल्ली -110077

विषय: स्ट्रीट लाइट की समस्या

आपके प्रतिष्ठित अखबार के सम्मानित मंच के माध्यम से, मैं आपके क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की समस्या की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा।

हमने ख़राब स्ट्रीट लाइट के बारे में कई बार शिकायत की है लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके कारण लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रात में सड़क के संकेत पूरी तरह से अदृश्य हो जाते हैं। स्पीड ब्रेकर, गड्ढे और मैनहोल स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते हैं, जिससे हमारे क्षेत्र में घातक दुर्घटनाओं का खतरा अधिक होता है। इससे नागरिकों के जीवन को भारी खतरा है। यहाँ शाम के बाद बहुत अंधेरा और असुरक्षित माहौल हो जाता है।

अंधेरा होने के बाद महिलाएं और बच्चे अपने घर से बाहर निकलने से डरते हैं। सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से प्रभावहीन हैं। चोरी की घटनाएँ असमान रूप से बढ़ रही हैं। असामाजिक तत्वों को अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है और इस विषय पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। यह वास्तव में नागरिकों में भय की भावना को बढ़ा रहा है। अपहरणकर्ता ऐसे क्षेत्रों को उनके अपवित्र कृत्यों के लिए अनुकूल पाते हैं।इस खतरे को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। यह पूरी तरह से समाज के कानून और व्यवस्था को ठप्प कर रहा है. इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेने का अनुरोध है। स्ट्रीट लाइट का रखरखाव हमारे सुचारू और सुरक्षित जीवन के लिए तत्काल आवश्यक है।

हम इस मामले में आपके समर्थन की बहुत सराहना करेंगे।

धन्यवाद,
भवदीय

अनौपचारिक-पत्र-:-

5-अपने छोटे भाई नरेश को एक पत्र लिखें जिसमें कई विकल्प प्रश्नों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के परीक्षण के विभिन्न लाभों और कमियों को उजागर करें।

अ ब स अपार्टमेंट
लोधी रोड
नई दिल्ली
29 सितंबर, 20**
प्रिय नरेश
यहाँ सब कुशल मंगल हैं , आशा करती हूँ वहां भी सब प्रसन्नता पूर्वक होंगे.
मुझे पता चला कि आपकी SSC CGL / CHSL परीक्षा होने जा रही है और आप इसे उत्तीर्ण करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं। कंप्यूटर आधारित परीक्षा के बारे में कुछ बातें हैं जो मैं आपको बताना चाहूंगी। इसने छात्रों के लिए किए गए 'प्रश्नों की संख्या', 'दौरा किया या नहीं', 'प्रश्न हल किया या नहीं', का लेखा-जोखा रखना बहुत आसान बना दिया है। वहाँ स्क्रीन पर एक प्रश्न पैलेट है जो हर समय दिखाई देता है और आपको एक से दूसरे भाग में नेविगेट करने में मदद करता है। घडी बचे हुए समय को निरंतर दिखाती रहती है.

लेकिन चूंकि पैटर्न नया है, इसलिए लोग इससे अभ्यस्त होने में कुछ मुद्दों का सामना कर रहे हैं। साइन इन करते समय पर्याप्त सावधानी बरतें। यदि आपको ऐसा करने में किसी भी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो प्रवेशकर्ता की तत्काल सहायता ले. आपकी परीक्षा शुरू होने के बाद कीबोर्ड पर कोई भी कुंजी न दबाएँ। यदि आपका पी सी अचानक काम करना बंद कर देता है, तो जितनी जल्दी हो सके वहां सूचित करें और घबराएं ना. दूसरों को परेशान न करने की कोशिश करें और न ही किसी से विचलित हों। ऑनलाइन परीक्षाओं के दौरान समय किंग मेकर है। इसे बर्बाद मत करो।

आपकी परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ।

तुम्हारा प्यारी बहन
सीमा

6-अपनी बेटी को उसकी शैक्षणिक सफलता पर बधाई देने के लिए एक पत्र लिखें।

अ ब स अपार्टमेंट
लोधी रोड
नई दिल्ली
29 सितंबर, 20**
प्रिय गुंजन
यहाँ सब कुशल मंगल हैं , आशा करती हूँ वहां भी सब प्रसन्नता पूर्वक होंगे.

मुझे हाल ही में आपके अंतिम वर्ष के परिणाम के बारे में पता चला। आपके पिताजी ने मुझे बताया कि आपने पूरे विश्वविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया है। आपने एक बार फिर हम सबको गौरवान्वित किया है। यह उत्थान और उत्सव का क्षण है। मैं आपको आपकी सफलता पर बधाई देती हूं। आप की मेहनत रंग लायी है।

जिस तरह से आपने दिन-रात एक किया, मुझे पहले से ही भरोसा था कि आप बेहतरीन प्रदर्शन करेंगी। आपकी सफलता आपके छोटे भाई के लिए प्रेरणा है। वह आपको व्यक्तिगत रूप से भी बधाई देना चाहता है। आपकी दादी गाँव के लिए निकलने से पहले आपसे मिलना और आशीर्वाद देना चाहती थी। हम आपके छात्रावास की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। हमें अपने कार्यक्रम के बारे में सूचित करें। और सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते रहें। हमारी शुभकामनाएं और आशीर्वाद हमेशा आपके साथ है।

तुमसे जल्द मिलने की आशा करती हूँ।

तुम्हारी माँ

7-आपको एक अच्छा इंसान बनाने के लिए अपने पुराने स्कूल शिक्षक को धन्यवाद देने के लिए एक पत्र लिखें।

अ ब स अपार्टमेंट
लोधी रोड
नई दिल्ली
29 सितंबर, 20**

आदरणीय अध्यापिका जी,

हम लंबे समय से संपर्क में नहीं हैं। यहाँ सब कुशल मंगल हैं , आशा करती हूँ वहां भी सब प्रसन्नता पूर्वक होंगे.

शिक्षक दिवस के इस खूबसूरत अवसर पर, मैं आपके अपार योगदान के लिए आभार व्यक्त करना चाहती हूं। माता-पिता के साथ, शिक्षक जीवन के मार्गदर्शक हैं। जिस तरह से आपने हमारे व्यक्तित्वों को आकार दिया है वह हमारी सफलता के पीछे का कारण है। हमारे स्कूल के दिनों में आपके द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों के कारण हम सफल हैं।

आप जैसे शिक्षकों को ढूंढना मुश्किल है। आपने हमें सिर्फ सिलेबस ही नहीं सिखाया, आपने हमें जीवन के लिए तैयार किया। आपके ज्ञान के शब्द अभी भी हमारे कानों में जोर से और स्पष्ट रूप से गूंजते हैं। हम आपकी माँ की तरह देखभाल और शिक्षक की तरह ध्यान देने के लिए धन्यवाद करते हैं। मैं आपको बताना चाहती हूं, कि जब हमारी कक्षा में आपका प्रतिस्थापन होता था, तो छात्र बहुत खुश होते थे। आपने हमारे साथ एक मित्र की तरह व्यवहार किया जो हमें आपके और करीब लाया। बैचमेट एक पुनर्मिलन की योजना बना रहे हैं, सभी आप से और पूरे स्टाफ से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

आप से जल्द मिलने की आशा करती हूँ।

आपकी शिष्य

(साहित्य भाग)

*-अति लघु प्रश्न उत्तर-

1-कनक कटोरी मैदा किसका प्रतीक है?

उत्तर-पराधीन जीवन का|

2-पक्षियों का क्या अरमान था?

उत्तर-खुले आकाश में दूर दूर तक उड़ना पक्षियों का अरमान था|

4-ल्खाक अपनी कमजोरी किसे मानता है?

उत्तर-लेखक बीस वर्ष का होने पर भी जरा सी परेशानी से घबरा जाने को अपनी कमजोरी मानता है |

5-लेखक कि उम्र कितनी लगती है?

उत्तर-बीस साल से अधिक |

6-दादीजी के आंचल कि गाँठ में क्या बंधा है?

उत्तर-दादीजी के आँचल कि गाँठ में मिट्टी बंधी है|

7-लेखक ने हिमालय कि बेटी किन्हें कहा है?

उत्तर-हिमालय से निकलने वाली नदियों को लेखक ने अपनी बेटी कहा है|

8-मैदानी भागों में नदियाँ कैसी दिखती है?

उत्तर-मैदानी भागों में नदियाँ बड़ी शांत,गंभीर और अपने में खोई हुई दिखती है|

9-हिमालय के जंगलों में मुख्यता कौन कौन से वृक्ष है?

उत्तर-हिमालय के जंगलों में साग,सगोन ,देवदार,चीड,सफेदा ,केर,चिनार के वृक्ष है|

10-कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर-कठपुतली को अपनी पराधीनता पर गुस्सा आया|

11-कठपुतली को अपने पाँव पर खड़े होने की इच्छा है,पर वः खडी नही हो पा रही?

उत्तर-क्योंकि कठपुतली धागों से बंधी है इसलिए वह चाह कर भी अपने पाँव पर खडी नही हो पा रही |

12-मिठाई वाला महीनों बाद क्यों आया?

उत्तर-बच्चों में उत्सुकता बनाये रखने के लिए मिठाई वाला महीनों बाद आया|

13-दिव्या को डाक्टर के पास क्यों ले जाना पड़ा ?

उत्तर-कुछ दिनों से दिव्या को थकान लग रही थी ,इसलिए उसे डाक्टर के पास ले जाना पडा|

14-डाक्टर ने दिव्या कि रिपोर्ट के बारे में अनिल से क्या कहा?

उत्तर-डाक्टर ने दिव्या कि रिपोर्ट के बारे में अनिल को बताया कि दिव्या को अनिमीया है |

15-लाल क्त्र्कन किस आकार के होता है?

उत्तर-बालूशाही के आकार के होते है|

*-लघु प्रश्न उत्तर-

1-हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते ?

उत्तर-पक्षी के पास वो सारी सुख सुविधाएँ हैं, जो उनके जीवन के लिए आवश्यक है। परन्तु वह स्वतन्त्रता नहीं है, जो उन्हें प्रिय हैं। वे इस खुले आकाश में आज़ादीपूर्वक उड़ना चाहते हैं। इस प्रकार की उड़ान उनमें नई उमंग व प्रसन्नता भर देती है, जो पिंजरे की सुखसुविधाएँ नहीं दे सकती है। इसलिए हर तरह की सुख - सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते हैं।

2-पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं-?

उत्तर-पक्षी उन्मुक्त रहकर जंगल की कड़वी निबौरी खाना चाहते हैं, प्रकृति के सुन्दर रूप का आनन्द लेना चाहते हैं, खुले नीले आकाश में उन्मुक्त उड़ान भरना चाहते हैं। वे नदियों का शीतल जल पीना चाहते हैं, वे तो क्षितिज के अन्त तक उड़कर जाना चाहते हैं। इसके लिए उनको अपने प्राणों की भी चिन्ता नहीं है।

3-लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथकिन बातों की याद आ जाती है-साथ बचपन की और किन-?
उत्तर-जब लेखक को मालूम हुआ कि दादी माँ की मृत्यु हो गई है तो उसके सामने दादी माँ की सभी यादें सजीव हो उठीं। साथ ही उसे अपने बचपन की स्मृतियाँगंधपूर्ण झागभरे जलाशयों में कूदना-, बीमार होने पर दादी का दिनरात - सेवा करना, किशन भैया की शादी पर औरतों द्वारा गाए जाने वाले गीत और अभिनय के समय चादर ओढ़कर सोना और पकड़े जाना, रामी चाची की घटना आदि भी याद आ जाती हैं।

4-दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गई थी?
उत्तरदादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब हो गई-, क्योंकि कपटी मित्रों एवं शुभचिंतकों की बाढ़ आ गई । इन गलत मित्रों की संगति ने सारा धन नष्ट कर डाला। इसके अलावा दादा के श्राद्ध में भी दादी माँ के मना करने के बावजूद लेखक के पिता जी ने बेहिसाब दौलत व्यर्थ की। यह संपत्ति घर की नहीं थी, कर्ज में ली गई थी। दादी माँ के मना करने के बावजूद उन्होंने नहीं माना जिससे घर की माली हालत डाँवाडोल हो गई।

5-नदियों को माँ मानने की परम्परा हमारे यहाँ काफ़ी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

उत्तर:- नदियों को माँ मानने की परंपरा भारतीय संस्कृति में अत्यंत पुरानी है। नदियों को माँ का स्वरुप तो माना ही गया है लेकिन लेखक नागार्जुन ने उन्हें बेटियों, प्रेयसी व बहन के रूपों में भी देखते है।
6-**हिमालय** की यात्रा में लेखक ने किनकिन की प्रशंसा की है-?
उत्तर:- हिमालय की यात्रा में लेखक ने हिमालय की अनुपम छटा की, नदियों की अठखेलियों की, बरफ से ढँकी पहाड़ियों की, पेड़-पौधों से भरी घाटियों की, देवदार, चीड, सरो, चिनार, सफैदा, कैल से भरे जंगलों की प्रशंसा की है।
7- ब्लडबैंक में रक्तदान से क्या लाभ हैं-?
उत्तर:- ब्लड-बैंक में दान किये गए रक्त को आपातकालीन स्थिति के लिए सुरक्षित रखा जाता है। किसी भी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता पड़े तो उसके लिए किसी भी रक्त-समूह का रक्त ब्लड-बैंक से लिया जा सकता है। इससे मरीज़ की जान बच सकती है।
8 -साँस लेने पर साफ़ हवा से ऑक्सीजन प्राप्त होती है, उसे शरीर के हर हिस्से निम्न में से कौन पहुँचाता है?सफ़ेद कण, लालकण, साँस नाली, फेफड़े

उत्तर:- साँस लेने पर शुद्ध वायु से जो ऑक्सीजन प्राप्त होती है, उसे हर हिस्से में लाल रक्त कण पहुँचाते हैं।

9-रक्त में हीमोग्लोबिन के लिए किस खनिज की आवश्यकता पड़ती है जस्ता -, शीशा, लोहा, प्लैटिनम

उत्तर:- रक्त में हीमोग्लोबिन के लिए लोहा खनिज की आवश्यकता पड़ती है।

10-बिम्बाणु टाइफायड - की कमी किस बीमारी में पाई जाती है (प्लेटलैट कण), मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया

उत्तर:- बिम्बाणु (प्लेटलैट कण) की कमी डेंगू बीमारी में पाई जाती है।

*-दीर्घ प्रश्न उत्तर-

1-भाव स्पष्ट कीजिए -"या तो क्षितिज मिलन बन जाता"या तनती साँसों की डोरी।/

उत्तर-: प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि पक्षी क्षितिज के अंत तक जाने की चाह रखते हैं, जो कि मुमकिन नहीं है परन्तु फिर भी क्षितिज को पाने के लिए पक्षी किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है यहाँ तक कि वे इसके लिए अपने प्राणों को भी न्योछावर कर सकते हैं।

2-क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला? उसकी देखरेख किस प्रकार की जाती होगी, लिखिए।

उत्तर:- एक बार एक घायल कबूतर हमारे घर आ गया। जिसकी हमने देखभाल की और उसके ठीक होने के बाद वह हमारे साथ ही रहने लगा। सब घरवालों के लिए वह कौतूहल का विषय बन गया था। हम सब घरवाले एक नन्हें बच्चे की तरह उसकी देखभाल करते थे। उसे रोज नहलाया जाता। उसके खाने-पीने का बराबर ख्याल रखा जाता। इस प्रकार से हम अपने पक्षी का पूरा ख्याल रखते थे।

3-पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। इस विषय पर दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। उत्तर:- पक्षियों को पिंजरों में बंद करने से सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण में आहार श्रृंखला असंतुलित हो जाएगी। जैसे घास को छोटे कीट खाते हैं तो उन कीटों को पक्षी। यदि पक्षी न रहे तो इन कीटों की संख्या में वृद्धि हो जाएगी जो हमारी फसलों के लिए उचित नहीं है। इस कारण पर्यावरण असंतुलित हो जाएगा। पक्षी जब फलों का सेवन करते हैं तब बीजों को यहाँ वहाँ गिरा देते हैं जिसके फलस्वरूप नए-नए पौधों पनपते हैं। कुछ पक्षी हमारी फैलाई गंदगी को खाते हैं जिससे पर्यावरण साफ़ रहता है यदि ये पक्षी नहीं रहेंगे तो पर्यावरण दूषित हो जाएगा और मानव कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाएगा अत: जिस प्रकार पर्यावरण जरुरी है, उसी प्रकार पक्षी भी जरुरी हैं।

4-लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ किन बातों की-साथ बचपन की और किन-याद आ जाती है?

उत्तर:- जब लेखक को मालूम हुआ कि दादी माँ की मृत्यु हो गयी है तो उनके सामने दादी माँ के साथ बिताई गई कई यादें सजीव हो उठती है। उसे अपने बचपन की स्मृतियाँ-गंधपूर्ण झाग भरे जलाशयों में कूदना, बीमार होने पर दादी का दिन-रात सेवा करना, किशन भैया की शादी पर औरतों द्वारा किए जानेवाले गीत और अभिनय के समय चादर ओढ़कर सोना और पकड़े जाना साथ ही उसे रामी चाची की घटना भी याद आ जाती हैं।

5-दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गयी थी?

उत्तर:- दादा की मृत्यु के पश्चात् लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब होने का कारण उनके पिताजी व भैया द्वारा धन का सही उपयोग न किया जाना था। ग़लत मित्रों की संगति से सारा धन नष्ट कर डाला। दादा के श्राद्ध में भी दादी माँ के मना करने पर भी लेखक के पिताजी ने अपार संपत्ति व्यय की।

6-दादी माँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर:- दादी माँ के स्वभाव का सेवा, संरक्षण, परोपकारी व सरल स्वभाव आदि का पक्ष हमें सबसे अच्छा लगता है। दादी माँ मुँह से भले कड़वी लगती थी परन्तु घर के सदस्यों तथा दूसरों की आर्थिक मदद के लिए हर समय तैयार रहती थी। रामी चाची का कर्ज माफ़ कर उसे नकद रूपए भी दिए ताकि उसकी बेटी का विवाह निर्विघ्न संपन्न हो जाए। इन्हीं के कारण ही वे दूसरों का मन जीतने में सदा सफल रहीं।

7-सिन्धु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गयी हैं?

उत्तर:- सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय की दो ऐसी नदियाँ हैं जिन्हें ऐतिहासिकता के आधार पर पुल्लिंग रूप में नद भी माना गया है। इन्हीं दो नदियों में सारी नदियों का संगम भी होता है। प्राकृतिक और भौगोलिक दृष्टि से भी इनकी महत्ता है। कहा जाता है कि ये दो ऐसी नदियाँ हैं जो दयालु हिमालय की पिघले हुए दिल की एक-एक बूँद से निर्मित हुई हैं। इनका रूप विशाल और विराट है। इनका रूप इतना लुभावना है कि सौभाग्यशाली समुद्र भी पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ थामने पर गर्व महसूस करता है।

8-**काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?**

उत्तर:- नदियाँ युगों-युगों से मानव जीवन के लिए कल्याणकारी रहीं है। ये युगों से एक माँ की तरह हमारा भरण-पोषण करती है। इनका जल भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ाने में विशेष भूमिका निभाता है। इसलिए नदियाँ माता के समान पवित्र एवं कल्याणकारी है। मानव नदी को दूषित करने के में कोई कसर नहीं छोड़ता परन्तु इसके बावजूद भी अपार दुःख सहकर भी इस प्रकार का कल्याण केवल माता ही कर सकती है। अत: काका कालेलकर ने नदियों की माँ समान विशेषताओं के कारण उन्हें लोकमाता का दर्जा दिया है

9- **हिमालय की यात्रा में लेखक ने किनकिन की प्रशंसा की है-?**

उत्तर:- हिमालय की यात्रा में लेखक ने हिमालय की अनुपम छटा की, नदियों की अठखेलियों की, बरफ से ढँकी पहाड़ियों की, पेड़-पौधों से भरी घाटियों की, देवदार, चीड, सरो, चिनार, सफैदा, कैल से भरे जंगलों की प्रशंसा की है।

10-**खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?**

उत्तर:- खिलौनेवाले की मादक मधुर आवाज़ सुनकर बच्चे चंचल हो उठते। उसके स्नेहपूर्ण कंठ से फूटती हूई आवाज़ सुनकर निकट के मकानों में हल-चल मच जाती। गलियों तथा उनके भीतर स्थित छोटे-छोटे उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों का समूह अपनी जूते- टोपी को उद्यान में ही भूलकर उसे घेर लेता और वे अपने-अपने घरों से पैसे लाकर खिलौनों का मोल-भाव करने लगते।

11-**रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो गया?**

उत्तर:- रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण हो आया क्योंकि उसे वह आवाज़ जानी-पहचानी लगी। उसे स्मरण हो आया कि खिलौनेवाला भी इसी प्रकार मधुर कंठ से गाकर खिलौने बेचा करता

था और इस मुरलीवाले का स्वर भी उसी तरह का था। ये भी ठीक वैसे ही मधुर आवाज़ में गा-गाकर मुरलियाँ बेच रहा था।

12- **किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था? उसने इन व्यवसायों को अपनाने का क्या कारण बताया?**

उत्तर:- मिठाईवाला रोहिणी की बात सुनकर भावुक हो गया था।
उसने इस छोटे व्यवसाय को अपनाने का कारण यह बताया कि इससे उसे अपने मृत बच्चों की झलक दूसरों के बच्चों में मिल जाती है। बच्चों के साथ रहकर उसे संतोष, धैर्य व असीम सुख की प्राप्ति होती है।

13-**रक्त के बहाव को रोकने के लिए क्या करना चाहिए?**

उत्तर:- रक्त के बहाव को रोकने लिए उस स्थान पर कसकर साफ़ कपड़ा बाँध देना चाहिए, क्योंकि दबाव पड़ने पर रक्त का बहना कम हो जाता है, जो उस व्यक्ति के लिए बड़ा लाभप्रद सिद्ध होता है फिर जल्दी ही हमें उस व्यक्ति को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

14-खून को क्यों कहा जाता है 'भानुमती का पिटारा'?

उत्तर:- 'भानुमती का पिटारा' हिन्दी में एक लोकोक्ति है जिसका अर्थ है एक पिटारे में कई तरह की वस्तुएँ। खून को 'भानुमती का पिटारा' कहा जाता है क्योंकि यदि सूक्ष्मदर्शी से खून की एक बूँद को जाँचा जाए तो उसमें लाखों की संख्या में लाल रक्त कण मौजूद मिलेंगे जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। इसके अलावा कुछ कण सफ़ेद तथा कुछ रंगहीन होते हैं। तरल भाग प्लाज्मा होता है रंगहीन कण प्लाज्मा में तैरते रहते हैं। इन्हीं विविधताओं के कारण खून को भानुमती का पिटारा कहा जाता है।

15-**एनीमिया से बचने के लिए हमें क्याक्या करना चाहिए-?**

उत्तर:- एनीमिया से बचने के लिए हमें पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। हमें अपने भोजन में उचित मात्रा में हरी सब्जियाँ, फल, दूध, अंडें व गोश्त खाना चाहिए ताकि हमारे शरीर को प्रोटीन, लौह-तत्व और विटामिन मिलते रहे जिससे हमारे शरीर में रक्त की कमी न हो।

16-**पेट में कीड़े क्यों हो जाते हैं? इनसे कैसे बचा जा सकता है?**

उत्तर:- पेट में कीड़े दूषित पानी और दूषित खाद्य पदार्थों के कारण होते हैं।
इनसे बचने के लिए हमें सफाई से बने खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। भोजन करने से पहले हमें अच्छी तरह से हाथ धो लेना चाहिए एवं साफ़ जल ही पीना चाहिए। कुछ कीड़ों के लार्वे जमीन की ऊपरी सतह पर भी होते हैं इसलिए नंगे पैर इधर-उधर नहीं घूमना चाहिए, शौचालय का इस्तेमाल करने के पश्चात साबुन से भली-भांति हाथ-पैर धोने चाहिए। इस प्रकार के कुछ सफाई संबन्धित उपाय करने से हम पेट के कीड़ों से बीमार होने से बच सकते हैं।

17-**रक्त के सफ़ेद कणों को क्यों कहा गया है 'वीर सिपाही'?**

उत्तर:- रक्त के सफ़ेद कणों को 'वीर सिपाही' कहा गया है क्योंकि यह रोगों के कीटाणुओं को शरीर में घुसने नहीं देते, जहाँ तक संभव हो सके रोगी कीटाणु की कार्य क्षमता को शिथिल कर उनसे डटकर मुकाबला करते हैं। इस प्रकार वे बहुत से रोगों से हमारी रक्षा करते हैं।

18-**ब्लडबैंक में रक्तदान से क्या लाभ हैं-?**

उत्तर:- ब्लड-बैंक में दान किये गए रक्त को आपातकालीन स्थिति के लिए सुरक्षित रखा जाता है। किसी भी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता पड़े तो उसके लिए किसी भी रक्त-समूह का रक्त ब्लड-बैंक से लिया जा सकता है। इससे मरीज़ की जान बच सकती है।

19-साँस लेने पर साफ़ हवा से ऑक्सीजन प्राप्त होती है, उसे शरीर के हर हिस्से निम्न में से कौन पहुँचाता है?सफ़ेद कण, लालकण, साँस नाली, फेफड़े

उत्तर:- साँस लेने पर शुद्ध वायु से जो ऑक्सीजन प्राप्त होती है, उसे हर हिस्से में लाल रक्त कण पहुँचाते हैं।

20-**रक्त में हीमोग्लोबिन के लिए किस खनिज की आवश्यकता पड़ती है जस्ता -, शीशा, लोहा, प्लैटिनम**

उत्तर:- रक्त में हीमोग्लोबिन के लिए लोहा खनिज की आवश्यकता पड़ती है।

21-**बिम्बाणु टाइफायड - की कमी किस बीमारी में पाई जाती है (प्लेटलैट कण), मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया)**

उत्तर:- बिम्बाणु (प्लेटलैट कण) की कमी डेंगू बीमारी में पाई जाती है।

(बाल-महाभारत)

1-गंगा ने शांतनु से कहा-"राजन! क्या आप अपना वचन भूल गए?" तुम्हारे विचार से शांतनु ने गंगा को क्या वचन दिया होगा?

1-राजा शांतनु ने गंगा को यह वचन दिया होगा कि वे गंगा के किसी भी कार्य में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा उसकी इच्छा का सम्मान करेंगे।

2-महाभारत के समय में राजा के बड़े पुत्र को अगला राजा बनाने की परपंरा थी। इस परंपरा को ध्यान में रखते हुए बताओ कि तुम्हारे अनुसार किसे राजा बनाया जाना चाहिए था-युधिष्ठिर या दुर्योधन को? अपने उत्तर का कारण बताओ।

2-पांडु भरत वंश के राजा थे। उनकी मृत्यु के पश्चात् युधिष्ठिर को राजा बनना चाहिए था परन्तु युधिष्ठिर की आयु कम होने के कारण उनके बड़े होने तक राज्य की ज़िम्मेदारी धृतराष्ट्र को दी गई थी। युधिष्ठिर के बड़े होने के पश्चात् न्यायोचित तो यही था कि युधिष्ठिर को उनका कार्य-भार सौंप दिया जाता। अत: भरत वंश की परंपरा के अनुसार राज्य पद के अधिकारी युधिष्ठिर ही थे।

3-तुम्हारे अनुसार महाभारत कथा में किस पात्र के साथ सबसे अधिक अन्याय हुआ और क्यों?

3-हमारे विचार से सबसे अधिक अन्याय कर्ण के साथ हुआ है। जैसे-

1. सूर्य-पुत्र कर्ण को उसकी जन्मदात्री ने त्याग दिया।
2. शस्त्र-परीक्षण के दिन पहचान लेने के बाद भी कुंती ने उसे नहीं अपनाया।
3. उत्तम कुल में उत्पन्न होकर भी वह सूत-पुत्र कहलाया।
4. इंद्र ने उसके साथ छल किया।
5. परशुराम ने उसे शाप दिया।

6. अर्जुन ने उसे छल से मारा।।

4-इस पुस्तक में से कोई पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

<u>पाठ पर आधारित मुहावरे</u> :-

(1) **<u>वज्र के समान गिरना</u>** - (अधिक कष्ट होना) अपमान के कटु वचन उसके हृदय पर **व्रज के समान लगे**।

(2) **जन्म से बैरी** - (घोर शत्रुता होना) दोनों भाई इतना लड़ते हैं, मानो **जन्म से बैरी** हो।

(3) **खलबली मच जाना** - (नियंत्रण न होना) शिक्षक के न आने से पूरी कक्षा में **खलबली मच गई।**

(4) **दंग करना** - (हैरान करना) छोटे से बच्चे में इतना बल देखकर मैं **दंग रह गया।**

(5) **दग्ध-हृदय** - (मन दुःखी होना) **दग्ध हृदय** के साथ उसने अपने पुत्र को अंतिम बार विदा किया।

6-महाभारत के युद्ध में किसकी जीत हुई? (याद रखो कि इस युद्ध में दोनों पक्षों के लाखों लोग मारे गए थे।)

6-महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत होती है। क्योंकि दोनों पक्षों में लोगों की मृत्यु होने के बाद भी पाँचों पांडव जीवित थे। उन्हें कौरवों की अपेक्षा कम क्षति उठानी पड़ी।

7-तुम्हारे विचार से महाभारत की कथा में सबसे अधिक वीर कौन था/थी? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

7-महाभारत की कथा में सबसे अधिक वीरता अर्जुन पुत्र अभिमन्यु में देखी गई क्योंकि पूरे युद्ध में सबसे छोटा बालक होते हुए भी उसने अपनी वीरता का परिचय देते हुए अकेले ही छः महारथियों के साथ युद्ध किया, चक्रव्यूह तोड़ने का प्रयास किया तथा अस्त्र समाप्त होने के बाद भी रथ के पहिए को अस्त्र बना कर लड़ता रहा।

8-युधिष्ठिर ने आचार्य द्रोण से कहा-"अश्वत्थामा मारा गया, मनुष्य नहीं, हाथी।" युधिष्ठिर सच बोलने के लिए प्रसिद्ध थे। तुम्हारे विचार से उन्होंने द्रोण से सच कहा था या झूठ? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

8-युधिष्ठिर का यह कथन अधूरा सच है। युधिष्ठिर के मन में उस समय गुरू द्रोणाचार्य को धोखा देने की बात चल रही थी। वह झूठ बोलना चाहते थे, परन्तु सच बोलने के लिए बाध्य थे। युधिष्ठिर के मुख से निकले हुए शब्दों का अर्थ कुछ और था, यह वे जानते थे।

9-मान लो तुम भीष्म पितामह हो। अब महाभारत की कहानी अपने शब्दों में लिखो। जो घटनाएँ तुम्हें ज़रूरी न लगें, उन्हें तुम छोड़ सकते हो।

9-स्वयं को भीष्म मानकर अपनी इच्छानुसार कहानी की रचना करें।

क) द्रोपदी के पास एक 'अक्षयपात्र' था, जिसका भोजन समाप्त नहीं होता था। अगर तुम्हारे पास ऐसा ही एक पात्र हो, तो तुम क्या करोगे?

(ख) यदि ऐसा कोई पात्र तुम्हारे स्थान पर तुम्हारे मित्र के पास हो, तो तुम क्या करोगे?

क) यदि ऐसा अक्षयपात्र हो तो हमें ज़रूरतमंदो को भोजन कराकर उनकी सहायता करनी चाहिए।

(ख) अपने मित्रों को भी इसी प्रकार से गरीबों की सहायता करने को प्रेरित करना चाहिए।

प्रश्न-उत्तर-

1- के वध के उपरान्त किसके कहने पर दुर्योधन ने शल्य को सेनापति नियुक्त किया? – अश्वत्थामा
2-कर्ण को अमोघ शक्ति किसने प्रदान की थी? – इन्द्र
3-कर्ण को पालने वाली माता का क्या नाम था? – राधा
4-कर्ण ने अपने कवच कुंडल किसे दान किए? – इन्द्र को
5-कर्ण वध के पश्चात किसने दुर्योधन को पाण्डवों से संधि का विचार दिया? – कृपाचार्य
6-किस स्थान को 'ब्रह्मा की यज्ञीय वेदी' कहा जाता है? – कुरुक्षेत्र
7-किसने जरासंध का वध किया था? – भीम।
8-कुंती किसकी पत्नी थी? – पांडु।
9-कुन्ती पुत्र अर्जुन के पोते का नाम क्या था? – परीक्षित
10-कौरवों व पांडवों के शस्त्र गुरु का नाम बताओ। - द्रोणाचार्य।
11-गुरु की मूर्ति बनाकर धनुर्विद्या का ज्ञान प्राप्त करने वाले भील का नाम बताओ। - एकलव्य।
12-दानवीर कर्ण का अंतिम दान क्या था? – सोने का दाँत
13-दु:शासन का वध किसने किया? – भीम ने।
14-द्रोणाचार्य की पत्नी कौन थीं? – कृपि
15-द्रोणाचार्य के पिता कौन थे? – भारद्वाज
16-द्रोणाचार्य के बाद कौरवों का सेनापति कौन बना? – कर्ण।
17-द्रोणाचार्य ने कितने दिन सेनापति का भार संभाला? – पाँच दिन।
18-द्रौपदी का जन्म का नाम क्या था? – कृष्णा।
19-द्रौपदी किस प्रदेश की राजकुमारी थी? – पांचाल।
20-द्रौपदी के पांचों पुत्रों का वध किसने किया? – अश्वत्थामा ने तलवार से काट डाला।
21-धृतराष्ट्र का जन्म किसके गर्भ से हुआ था? – अम्बिका
22-धृतराष्ट्र की माता का क्या नाम था? – अंबिका।
23-धृतराष्ट्र के पुत्रों को क्या नाम दिया गया था? – कौरव।
24-भीम के शंख का क्या नाम था? – पौंड्र।
25-भीम द्वारा मारा गया 'अश्वत्थामा' नाम का हाथी किस राजा का था? – इन्द्रवर्मा
26-भीष्म और द्रोणाचार्य को धनुर्विद्या किसने सिखाई? – परशुराम।
27-भीष्म कितनी सेना समाप्त करके जल गृहण करते थे? – दस हज़ार
28-भीष्म कितने दिन सेनापति रहे? – 10 दिन
29-भीष्म पितामह का असली नाम क्या था? – देवव्रत।

30-भीष्म पितामह कितने दिन तक शरशैय्या पर पड़े रहे? – 58 दिन
31-भीष्म पितामह के देह त्याग का वर्णन किस पर्व में है? – अनुशासन पर्व में।
32-भीष्म पितामह के माता-पिता का क्या नाम था? – गंगा-शांतनु।
33-युधिष्ठिर के जुये के खेल का वर्णन किस पर्व में है? – सभा पर्व में।
34-युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में ब्राह्मणों के चरण धोने का कार्य किसने किया? – श्रीकृष्ण ने
35-युधिष्ठिर के लिए सभा-भवन का निर्माण किसने किया था? – मय दानव ने
36-लाक्षागृह से जीवित बच निकलने के बाद पाण्डव किस नगरी में जाकर रहे? – एकचक्रा
37-कुंती किसकी पत्नी थी? – **पांडु।**
38-कुन्ती पुत्र अर्जुन के पोते का नाम क्या था? – **परीक्षित**

(व्याकरण भाग)

भाषा

अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर, लिखकर या पढ़कर प्रकट करने के साधन को 'भाषा' कहते हैं।
भाषा के रूप-मौखिक भाषा, लिखित भाषा ,

1. हम बातचीत किस माध्यम से करते हैं?
(i) लिपि
(ii) वाक्य
(iii) भाषा
(iv) वर्ण

2. भाषा के कितने रूप होते हैं ?
(i) लिखित
(ii) सांकेतिक
(iii) मौखिक
(iv) सभी

3. भाषा के कितने रूप होते हैं?
(i) दो
(ii) चार
(iii) तीन
(iv) पाँच

4. हिंदी की लिपि कौन-सी है?
(i) फारसी
(ii) रोमन

(iii) गुरुमुखी
(iv) देवनागरी

5. हमें किसके द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है?
(i) शब्द
(ii) लिपि
(iii) व्याकरण
(iv) वाक्य

6. भाषा का अर्थ है
(i) मन के भाव संकेत के द्वारा प्रकट करना
(ii) मन के भाव केवल बोलकर प्रकट करना
(iii) मन के भाव केवल लिखकर प्रकट करना
(iv) मन के भाव बोलकर या लिखकर प्रकट करना

7. वाक्य किसे कहते है?
(i) शब्द समूह को
(ii) वर्ण समूह को
(iii) वर्गों के मेल को
(iv) शब्दों के सार्थक मेल को

उत्तर
1. (iii)2. (iv)3. (i)4. (iv)5. (iii)6. (iv)7. (iv)

प्रश्न-1 संज्ञा के कितने भेद है ?
१ 3
२ 4
३ 5
४ 6

प्रश्न 2 स्त्रीत्व शब्द में कौन सी संज्ञा है ?

१ जातिवाचक संज्ञा

२ भाववाचक संज्ञा

३ व्यक्तिवाचक संज्ञा

४ द्रव्यवाचक संज्ञा

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से कौन सा शब्द संज्ञा है ?

१ कुध

२ क्रोधी

३ क्रोध

४ क्रोधित

प्रश्न 4 भाववाचक संज्ञा की पहचान करिये।

१ लड़कापन

२ लड़काई

३ लड़कपन

४ लड़काईपन

प्रश्न 5 व्यक्तिवाचक संज्ञा की पहचान करिये।

१ गाय

२ पहाड़

३ यमुना

४ आम

प्रश्न 6 जातिवाचक संज्ञा की पहचान करिये।

१ जवान

२ सुन्दर

३ बालक

४ मनुष्य

उत्तर -1 (3)2 (भाव वाचक संज्ञा)3 (क्रोध)4 (लड़कपन)5 (यमुना)6 (जवान)

3-निम्नलिखित वाक्य में से सर्वनाम बताइए-

1. सीता दिल्ली में रहती है,वह अध्यापिका है ।

- a) सीता
- b) वह
- c) अध्यापिका

2. नीतू ने, मां से कहा कि वह आज व्रत रखेगी ।

- a) मां
- b) नीतू
- c) वह
- **3. कौन- सी कक्षा में जाऊं**
- a) कक्षा
- b) कौन
- c) जाऊं

4. जैसी करनी वैसी भरनी ।

- a) जैसी
- b) वैसी
- c) जैसी,वैसी

5. लाल कमीज मेरी है ।

- a) लाल
- b) कमीज
- c) मेरी
- **Answers :-**1. b) वह 2. c) वह 3. b) कौन 4. c) जैसी,वैसी 5. c) मेरी

6-सर्वनाम के भेद हैं

A.चार

B. पांच

C. छह

D. तीन

7-उसकी गाय दस किलो दुध देती है, रेखांकित शब्द में सर्वनाम है

A. परिमाण वाचक

B. निश्चय वाचक

C. अन्य पुरूष वाचक

D. संबंध वाचक

8-उसका भाई नौकरी करता है, वाक्य में सर्वनाम है

A. निजवाचक

B. निश्चयवाचक

C. पुरूषवा

D. संबंधवाचक

9-मुझे अपने गांव जाना है, वाक्य में सर्वनाम है

A. निजवाचक

B. निश्चयवाचक

C. पुरूषवाचक

D. अनिश्चयवाचक

10-सर्वनाम जिसका प्रयोग एक वचन व बहुवचन दोनों में किया जा सके

A. मेरा

B. तुम्हारा

C. जो

D. तेरे

11-सर्वनाम जिसका व्यवहार एकवचन में नहीं होता

A. मैं

B. आप

C. जो

D. जिसने

12-पूर्णतः एक वचन सर्वनाम है

A. मेरे

B. आप

C. जो

D. तेरे

13-वह गाय चराने जायेगा, वाक्य में सर्वनाम है -

A. संबंधवाचक

B. निश्चयवाचक

C. अन्य पुरूष

D. अनिश्चयवाचक

14-कोई आ रहा है। वाक्य में सर्वनाम है -

A. मध्यम पुरूष

B. अनिश्चयवाचक

C. भ्रमवाचक

D. संबोधन वाचक

15-**वह श्उसेश् खाना खिलायेगा। रेखांकित शब्द में सर्वनाम है**

A. अन्य पुरूष, कर्म कारक, बहुवचन

B. निश्चयवाचक, कर्म कारक, एकवचन

C. अन्यपुरूष , कर्म कारक, एकवचन

D. निश्चयवाचक,कर्मकारक, बहुवचन

16-वह मेरा घर कब बनाएगा ?, गहरे काले शब्द में सर्वनाम है

A. प्रश्नवाचक

B. अनिश्चयवाचक

C. पुरूषवाचक

D. निजवाचक

17-उसकी माता जी बीमार है।, वाक्य में सर्वनाम है

A. संकेतवाचक

B. संबंधवाचक

C. अन्य पुरूष वाचक

D. निजवाचक

18-कोई जुते चुरा रहा है। वाक्य में सर्वनाम है -

A. निजवाचक

B. निश्चयवाचक

C. अनिश्चयवाचक

D. संबंध वाचक

19-उसका भाई खेलता है, वाक्य में सर्वनाम है

A. संबंधवाचक

B. पुरूषवाचक

C. निजवाचक

D. निश्चयवाचक

20-किस विकल्प में सर्वनाम का संबंधकारक प्रयुक्त हुआ है -

A. तेरा

B. आपने

C. उसके

D. उन्हें

21-मध्यम पुरूष वाचक सर्वनाम का बहुवचन है -

A. तुझे

B. तुझमें

C. तेरे

D. तुम्हें

22-निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण नहीं है -

A. मेरा

B. अपने आप

C. स्वयं

D. अपनी

23-प्रश्नवाचक सर्वनाम का उदाहरण है -

A. कब

B. किन्हें

C. उसको

D. कहां

24-निम्न में से पुरूष वाचक सर्वनाम है -

A. यह

B. वह

C. उस

D. तुम

25-मेरा खिलौना टूटा है। वाक्य में सर्वनाम है

A. निजवाचक

B. अनिश्चयवाचक

C. पुरूषवाचक

D. संबंधवाचक

*-रिक्त स्थानों की पूर्ति करिये-

1. रेखांकित शब्द के स्त्रीलिंग रूप के सही विकल्प को चुनकर वाक्य पुरा कीजिए | इतिहास के छात्र ---------- घटनाओं को **जानते है** |

(अ) इतिहास (ब) ऐतिहासिक (स) सामाजिक (द) सांसारिक

2. निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सार्वनामिक विशेषण चुनीए | हम देश की आशा है---------देश हमारा है |

(अ) वह (ब) जौ (स) ऐसा (द) यह

3. रेखांकित शब्द विशेषण के रूप है | जयपुर की रजाई प्रसिद्ध है |

(अ) जयपुरी (ब) जयपुरीयाँ (स) जयपुर (द) जयपुरि

4. विशेषण की तीन अवस्थाएं होती है |

(अ) संख्यावाचक विशेषण में (ब) परिणामवाचक विशेषण में (स) व्यक्तिवाचक विशेषण में (द) गुणवाचक विशेषण में

5. व्यक्तिवाचक विशेषण है |

(अ) वह (ब) दोनों (स) पांचवा (द) जयपुरी

6. सरकार प्रतिवर्ष सर्वश्रेष्ठ बालक और ---------को सम्मानित करती हैं | इस वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प है |

(अ) कर्मचारी (ब) बालिका (स) शिक्षिका (द) नायिका

7. निम्न में से गुण वाचक विशेषण शब्द है |

(अ) छात्रा (ब) इलाहबाद (स) अच्छा (द) प्रत्येक

8. पहला-दूसरा आदि विशेषण किस भेद के अंतर्गत आते हैं |

(अ) संख्यावाचक विशेषण (ब) गुणवाचक विशेषण (स) परिमाणवाचक विशेषण (द) सार्वनामिक विशेषण

9. "वह इमारत गिर जायेगी" वाक्य में कौनसा विशेषण भेद है |

(अ) संख्यावाचक विशेषण (ब) परिमाणवाचक विशेषण (स) सार्वनामिक विशेषण (द) गुणवाचक विशेषण

Ans : 1. (ब) 2. (द) 3. (अ) 4. (द) 5. (द) 6. (ब) 7. (स) 8. (अ) 9. (स)

***-बहुविकल्पी प्रश्न**

1. विशेषण कहलाते हैं

(i) पर्यायवाची शब्द

(ii) विशेष्य

(iii) विपरीतार्थक शब्द

(iv) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द

2. जो संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, रंग-रूप के बारे में बताते हैं, वे कहलाते हैं

(i) परिमाणवाचक

(ii) संख्यावाचक

(iii) गुणवाचक

(iv) सार्वनामिक विशेषण

3. विशेषण शब्द जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं उन्हें कहते हैं

(i) विशेषण

(ii) विशेष्य

(iii) प्रतिविशेषण

(iv) संज्ञा

4. विशेषण के भेद होते हैं

(i) तीन

(ii) चार

(iii) पाँच

(iv) छह

5. इनमें गुणवाचक विशेषण शब्द हैं

(i) गोरा व्यक्ति

(ii) दस रुपये

(iii) दो मन अनाज

(iv) यह कार

6. इस कक्षा में चालीस छात्र हैं। रेखांकित शब्द का भेद है

(i) गुणवाचक

(ii) परिमाणवाचक

(iii) संकेतवाचक

(iv) संख्यावाचक

7. इनमें संकेतवाचक विशेषण है

(i) वह मकान

(ii) दस मन गेहूँ

(iii) बीस लड़के

(iv) पंजाबी

8. इनमें परिमाणवाचक विशेषण शब्द है

(i) दस लीटर दूध

(ii) बीस गाय

(iii) बंगाली

(iv) यह घर

9. सार्वनामिक विशेषण का इनमें दूसरा नाम है

(i) गुणवाचक विशेषण

(ii) संख्यावाचक विशेषण

(iii) परिमाणवाचक विशेषण

(iv) संकेतवाचक विशेषण

10. इस गिलास में थोड़ा दूध है। रेखांकित का विशेषण भेद बताइए।

(i) परिमाणवाचक

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक

(iii) निश्चित संख्यावाचक

(iv) गुणवाचक

उत्तर-

1. (iv)2. (iii)3. (ii)4. (ii)5. (i)6. (iv)7. (i)8. (i)9. (iv)10. (ii)